

प्रेषक,

शैलेश बगौली,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
खेलकूद विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 25 मार्च, 2015

विषय:- महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज परिसर में राजीव गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण हेतु राज्य आकस्मिकता निधि से धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रा0गौ0अर्न्त0क्रि0स्टे0एवंस्पो0कौ0सो0 के पत्र संख्या 125/RGICS/2014-15 दिनांक 17 मार्च, 2015 के क्रम में महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज परिसर में राजीव गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण कार्य हेतु सुसंगत मद में धनराशि उपलब्ध न होने के कारण एवं कार्य की अपरिहार्यता तथा धन की त्वरित आवश्यकता के दृष्टिगत प्रश्नगत परियोजना के निर्माण कार्य हेतु ₹ 2500.00 लाख (रु0 पच्चीस करोड़ मात्र) की धनराशि राज्य आकस्मिकता निधि से निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन आहरित कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. इस शासनादेश में उल्लिखित धनराशि के आहरण वितरण तथा उपयोग की पूर्ण सूचना बाउचर संख्या तथा आहरण की तिथि सहित शासन को शीघ्र भेजी जायेगी। प्रतिहस्ताक्षरित उपयोगिता प्रमाण पत्र भी अनिवार्यतः शासन/महालेखाकार को प्रेषित किया जायेगा।
2. इस शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागों/उपक्रमों में तैनात वित्त नियंत्रक/मुख्य लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों का किसी प्रकार का विचलन हो तो सम्बन्धित वित्त नियंत्रक आदि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दे दी जाय।
3. उक्त व्यय शासन के वर्तमान सुसंगत आदेशों/निर्देशों के अनुसार किया जायेगा तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि उक्त धनराशि किसी ऐसे कार्य/मद पर सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति अपेक्षित है। वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित सुसंगत नियमों का अनुपालन किया जाय।
4. चूंकि प्रस्तर-1 में स्वीकृत धनराशि के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में वर्तमान में आय-व्ययक में इस प्रयोजन हेतु कोई बजट उपलब्ध नहीं है, जबकि इस योजना हेतु व्यय तत्काल किया जाना आवश्यक एवं अपरिहार्य है। अतः श्री राज्यपाल महोदय ₹ 2500.00 लाख (रु0 पच्चीस करोड़ मात्र) की धनराशि राज्य आकस्मिकता निधि से अग्रिम के रूप में आहरित कर व्यय किये जाने की स्वीकृति प्रदान की जाती है। उक्त धनराशि की प्रतिपूर्ति/समायोजन आगामी वित्तीय वर्ष 2015-16 में कर ली जायेगी।
5. अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृत की जा रही है।

निधि 20.1-समेकित निधि के विनियोजन तथा अन्ततः अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्ष 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-03-खेलकूद तथा युवक सेवा खेलकूद स्टेडियम-102-खेलकूद स्टेडियम-17-अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण-24 वृहत निर्माण कार्य आयोजनगत (मतदेय) के नामे डाला जायेगा।

भवदीय,

(शैलेश बगौली)
सचिव।

संख्या:- /XXVII(1)/रा0आक0निधि0/2014 दिनांक
प्रतिलिपि:- महालेखाकार, (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड, देहरादून को सूचनार्थ एवं आवश्यकत कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,

(एल0एन0 पन्त)
अपर सचिव, वित्त

संख्या:- 263 /vi-2/2014-22(3)/2010टी.सी. तददिनांक।
प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यकत कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. स्टॉफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. जिलाधिकारी, देहरादून।
6. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रा0गाँ0अन्तर्0क्रि0स्टे0एवंस्पा0कॉ0सो0 रायपुर, देहरादून।
7. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
8. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
9. मीडिया सेंटर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(हीरा सिंह बसेड़ा)
अनु सचिव।